माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल **2018**

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

[redacted]

(उत्तर पु)स्तिका का (क्र)मांक A- 1118803

(अं)कों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

—	2	8	2	5	3	6	9	7	3

शब्दों में

—	दो	आठ	दो	पाँच	तीन	छः	नौ	सात	तीन

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष द्वारा एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [0] शब्दों में [निरंक]

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [09]

ग :– परीक्षा का दिनांक [26] [03] [18]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S.C C.NO:-252008

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
शील जैन (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
(हस्ताक्षर)	

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

Shankar Lal Rangotha
Principal
Govt. High School Magrania
Dist. Mandsaur (M.P.)
Mob. 9754926578

में

3 योग पूर्व पृष्ठ +

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न -(1) का उत्तर

(अ) रेटजेल

(ब) डेनमार्क

(स) जल परिवहन

(द) अभ्रक

(इ) उज्जैन

प्रश्न-(2) का उत्तर

(i) एकता

(ii) केनेडियन पेसिफिक

(iii) लोहा अयस्क

(iv) बिहार

(V) नागरीय कॉलोनी

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSEC
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDA

प्रश्न क्र.

प्रश्न-(3) का उत्तर

(अ)	(ब) (उत्तर)
(अ) वनोत्पाद उद्योग	– फर्नीचर उद्योग
(ब) राजस्थान	– इन्दिरा गाँधी नहर
(स) बागानी फसल	– चाय
(द) मुम्बई	– शान्ताक्रुज
(इ) प्रथम संचार उपग्रह	– आर्यभट्ट

प्रश्न-(4) का उत्तर

(i) मुम्बई व भिलाई नगर

(ii) इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली में है।

(iii) संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि ग्रह मिलते है।

(iv) (1) साम वृक्ष
(2) सुन्दरी वृक्ष

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSE

प्रश्न क्र.

(V) भारत में सर्वाधिक जूट उत्पादन पश्चिम बंगाल राज्य करता है।

प्रश्न-(5) का उत्तर

मानव भूगोल की परिभाषा निम्नानुसार है-

रेटजेल के अनुसार

"मानव भूगोल के दृश्य सर्वत्र वातावरण से सम्बद्ध है जो भौतिक दशाओं का योग है।"

प्रश्न-(6) का उत्तर

ग्रामीण अधिवास व नगरीय अधिवास में अन्तर निम्नलिखित है-

ग्रामीण अधिवास	नगरीय अधिवास
(1) ग्रामीण अधिवास के लोग गाँवो में निवास करते है।	(1) नगरीय अधिवास के लोग कस्बो, नगरो व महानगरों में निवास करते है।
(2) ग्रामीण अधिवासों की आवासीय संरचना अव्यवस्थित होती है।	(2) नगरीय अधिवासो की आवासीय संरचना व्यवस्थित होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न-(7) का उत्तर (अथवा)

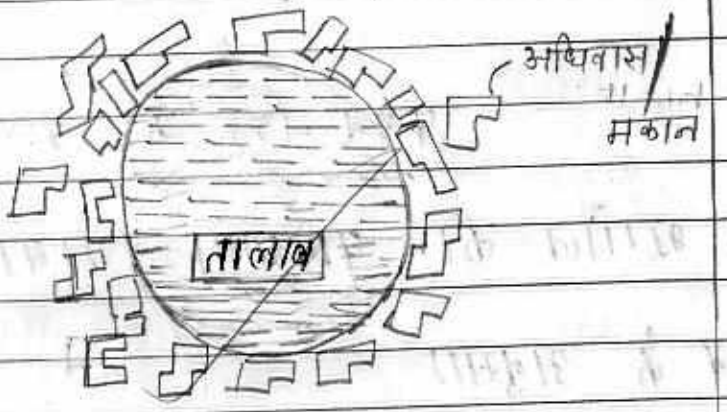

॥ वृत्ताकार प्रतिरूप ॥

प्रश्न-(8) का उत्तर (अथवा)

नगरीय कूड़ा-करकट के निपटान से तात्पर्य है कि नगरों में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकरण तथा परिवहन के साधन के विकास के से नगरों में जो व्यर्थ अपशिष्ट पदार्थों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने से बढ़ने वाली समस्याओं को हल करना ही नगरीय कूड़ा करकट का निपटान कहलाता है।

नगरों में आजकल नगरीय कूड़े कर कट से ऊर्जा पैदा भी की जा रही है।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न -(9) का उत्तर

मृदा से तात्पर्य है कि पृथ्वी के भूपटल की ऊपरी परत से है।

मृदा संसाधन के कोई तीन महत्व निम्नलि हैं -

(1) कृषि का आधार -

कृषि का आधार मिट्टी ही है क्योंकि मिट्टी पर पेड़ पौधे उगते हैं तथा मानव व जीव जन्तुओं को खाद्यान्न पदार्थों की प्राप्ति होती है। इस प्रकार मिट्टी के बिना कृषि करना सम्भव नहीं है अतः मिट्टी कृषि का आधार है।

(2) जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति -

मानव की प्रथम तीन मूलभूत आवश्यकताएँ भोजन, कपड़ा और आवास होती है जिनकी पूर्ति (मिट्टी) भूमि से होती है।

मिट्टी से ही कपड़ा के लिए कपास, भोजन के लिए फसलें तथा आवास के लिए जगह व मिट्टी की ईंटे प्राप्त होती है।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECO

प्र प्रश्न क्र.

(3) पशु जगत का आधार –

भूमि न केवल मानव अपितु पशुओं व पक्षियों के लिए भी जीवन का आधार है।
भूमि पर उगने वाली घास पर ही पशु-~~पक्षी~~ व पक्षी जीवित रहते हैं।
पशुधन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है जो केवल मिट्टी पर ही आश्रित है।

इस विवेचन से स्पष्ट होता है कि भूमि न केवल मनुष्य जीव जन्तु बल्कि कृषि क्षेत्र व उद्योग क्षेत्र का भी आधार है।

B
S
J

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-(10) का उत्तर

दामोदर घाटी परियोजना स्वतंत्र भारत की प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना थी जो अमेरिका की टेनसी नदी घाटी परियोजना के आधार पर बनायी गयी थी। यह परियोजना दामोदर और उसकी सहायक नदियों बराकर, बोकारो कोनार पर बाँध बनाने की थी।

इस परियोजना के लिए 18 फरवरी 1948 को दामोदर घाटी निगम की स्थापना की गई थी।

दामोदर घाटी योजना के लाभ निःलि है -

(1) बाढ़ के कारण होने वाले मृदा अपरदन पर रोक ~~लगाना~~ (लगाने की थी) लगायी गई है।

(2) बाँधों का निर्माण करके जल विद्युत ऊर्जा का संचरण, संचालन करने के प्रयास किये गये थे जो सफल हुए।

(3) सघन वृक्षारोपण कर पर्यावरण प्रदूषण मिट्टी के कटाव पर रोक लगी है।

(4) दामोदर के निचले क्षेत्रों सिंचाई के साधन उपलब्ध कराकर कृषि के उत्पादन बढ़ाया ~~जाहै~~ गया है।

B
S
E

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - (11) का उत्तर

सड़क परिवहन को प्रभावित करने वाले कोई तीन कारक नि०लि० है -

(1) धरातल -

सड़को के विकास पर धरातल का गहरा प्रभाव पड़ता है। उबड़-खबड़, पथरीले पहाड़ी तथा पठारीय क्षेत्रो मे सड़क बनाने बहुत कठिन व व्यय होता है जबकि समतल मैदानी क्षेत्रो मे सड़को का विकास आसानी से किया जा सकता है।

इसी कारण भारत के दक्षिणी क्षेत्रो की तुलना में उत्तरीय क्षेत्रो मे सड़को का विकास हुआ है।

(2) जनसंख्या -

सड़को के विकास पर जनसंख्या पर जनसंख्या का भी प्रभाव पड़ता है इसी कारण अधिक जनसंख्या वाले भागो मे जनसंख्या व माल की सुविधा के कारण सड़को विकास होता है।

इसी कारण नगरो की तुलना मे गाँवो सड़को का विकास कम होता है।

प्रश्न क्र.

पाया जाता है।

(3) आर्थिक विकास –

सड़कों के विकास पर आर्थिक विकास भी प्रभावित करता है। जिन क्षेत्रों में आर्थिक विकास अधिक होता है वह सड़कों विकास अधिक होता है तथा जहाँ आर्थिक विकास कम पाया जाता है वहाँ सड़कों का विकास कम होता है।

इसी कारण भारत की अपेक्षा संयुक्त राज्य अमेरिका में सड़कों का विकास अधिक हुआ है।

प्रश्न - 12 (12) का उत्तर (अथवा)

संचार के साधनों से तात्पर्य है कि जिन साधनों का प्रयोग जानकारी, समाचार आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान भेजने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

संचार के साधनों का विकास बहुत तेजी से हो रहा है जिनमें से प्रमुख कोई भिन्न तीन निम्न लिखित है –

SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

(1) डाक –

डाक द्वारा संदेश भेजने का ढंग पुराना है। डाक आज भी एक प्रमुख संचार का साधन है। डाक के द्वारा कोई भी व्यापारिक पत्र, पत्र, सरकारी पत्रों को एक स्थान दूसरे आसानी से पहुँचाया जा सकता है। डाक संचार सरकारी व व्यापारिक क्षेत्र में आज भी बहुत महत्व है।

आज संचार के साधनों के विकास के कारण डाक व्यवस्था में भी पर्याप्त सुधार हुआ है। आजकल डाक वायुयानों द्वारा संसार के किसी भी कोने में 24 घण्टे के अन्दर पहुँचाया जा सकता है।

(2) फैक्स –

इस (यन्त्र) संचार के साधन के द्वारा लिखित पत्रों, चित्रों व लिखित सन्देशों को एक स्थान से दूसरे स्थान बड़ी सरलता से पहुँचाया जा सकता है। टेलीफोन के साथ एक फैक्स मशीन लगी होती है। और यदि इस मशीन में

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रिन्टर लगा हो तो पत्र या चित्र एक प्रति भी प्राप्त की जा सकती है। फैक्स का व्यापारिक व शिक्षा के क्षेत्र मे बहुत अधिक महत्व है।

(3) तार -

तार द्वारा सन्देशो को एक स्थान से दूसरे स्थान भेजने के लिए विद्युत चुम्बकीय तरंगो की सहायता ली जाती है। तार द्वारा सन्देश भेजने की यह विधि सभी देशो मे प्रचलित है सभी देश तार भेजने के लिए मोर्सकोड ~~मोस कोड~~ भाषा का प्रयोग करते है।

भारत ~~सन~~ 2013 से इस सेवा को बन्द कर दिया गया था।

B
S
E

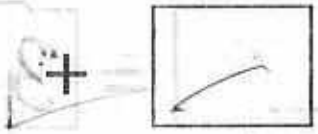

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न-(13) का उत्तर

आयु संरचना –

जनसंख्या को उसकी आयु के आधार पर वर्गों में बाँटने की प्रक्रिया को आयु संरचना कहते हैं।

आयु संरचना के आधार पर जनसंख्या तीन प्रकार की होती है –

(1) बाल वर्ग –

इस आयु संरचना के अन्तर्गत 0 से 14 वर्ष के बालकों को शामिल किया जाता है। यह आयु वर्ग जैविक रूप से न तो प्रजनन-कारी होता है और न ही आर्थिक दृष्टि से आय के योग्य नहीं होता है। यह वर्ग पूर्णतया: प्रौढ़ व वृद्ध वर्ग पर आश्रित रहता है।

विकसित देशों में बाल वर्ग 24% तथा विकासशील देशों में 40% पाया जाता है।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) प्रौढ़ वर्ग –

इस आयु वर्ग में 15 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु वाली जनसंख्या को रखा जाता है। यह वर्ग मुख्य रूप विकसित राष्ट्रो मे पाया जाता है। यह वर्ग जैविक रूप से प्रजननकारी तथा आर्थिक रूप से आय कमाने वाले होता है।
यह इस वर्ग पर ही बाल व प्रौढ़ वर्ग निर्भर करते है।

(3) वृद्ध वर्ग –

इस आयु वर्ग मे 61 वर्ष से ऊपर आयु वाली जनसंख्या को रखा गया है। यह जनसंख्या मुख्य रूप से प्रौढ़ वर्ग पर ही निर्भर करती है।

यह जनसंख्या अविकसित देशो मे पायी जाती है। यह जनसंख्या अप्रजननकारी व अनोत्पादक होती है।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYED

प्रश्न क्र.

प्रश्न-(15) का उत्तर (अथवा)

कुटीर व लघु उद्योग में अन्तर निम्नलिखित है—

अन्तर का आधार	कुटीर उद्योग	लघु उद्योग
1) माल को निर्मित करने का कार्य	कुटीर उद्योगों में अधिकांश कार्य स्वयं व परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।	लघु उद्योगों में अधिकांश कार्य ऊर्जा से चलने वाली मशीनों के द्वारा किया जाता है।
2) कच्चा माल	कुटीर उद्योगों में कच्चा माल स्थानीय होता है।	लघु उद्योगों कच्चा माल स्थानीय के साथ-साथ दूरस्थ प्रान्तों से भी मंगाया जाता है।
3) निर्मित माल का उपयोग	निर्मित माल का उपयोग स्थानीय बाजारों में होता है।	लघु उद्योगों निर्मित में निर्मित माल को दूरस्थ प्रान्तों के बाजारों में बेचा जाता है।
पूँजी व श्रम	कुटीर उद्योगों में बहुत कम श्रम व पूँजी की आवश्यकता होती है।	लघु उद्योगों में अधिक श्रम व पूँजी की आवश्यकता होती है।

BSE

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र. प्रश्न-(15) का उत्तर

प्रवास –

प्रवास से अभिप्राय है कि जब किसी प्रदेश की जनसंख्या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से है।
प्रवास मुख्यतः दो प्रकार का होता है –
1) आन्तरिक प्रवास (राष्ट्रीय)
2) बाह्य प्रवास (अन्तर्राष्ट्रीय)

प्रवास को कई राजनैतिक, आर्थिक सामाजिक, धार्मिक कारण प्रभावित करते है।
जिनमे प्रमुख प्रवास को प्रभावित करने वाले कारक नि॰लि॰ है –

(1) जनसंख्या का दबाव –

जिन देशो मे जनसंख्या अधिक हो जाती है वे स्वास्थ्य, परिवहन, खाद्यान्न आदि की कमी होने लगती है जिसके कारण जनसंख्या प्रवास करती है।
भारत से कई लोग आजकल खाड़ी देशो की ओर प्रवास करने लगे है।

झारखण्ड, उत्तरप्रदेश के लोग अन्य राज्यो मे उत्प्रवास करने लगे है।

OFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) कृषि पर दबाव –

भारत एक कृषि प्रधान देश है यहा की 70% जनसंख्या के जीवकोपार्जन का एकमात्र सहारा कृषि है जब ग्रामीण क्षेत्रो में जनसंख्या वृद्धि के कारण कृषि पर दबाव बढ़ने लगता है तो लोग प्रवास करना प्रारम्भ कर देते है।

B
S
E

(3) शहरो मे रोजगार की सुविधा –

शहरो मे नित्य नवीन उद्योगो, कारखानो सड़को, रेलो के कार्यों के कारण लोगो को रोजगार के अवसर प्रदान होते है जिनके कारण गाँव से रोजगार के लिए प्रवास करना प्रारम्भ कर देते है।

(4) शिक्षित व अर्द्धशिक्षित नवयुवको की कृषि मे अरुचि –

शिक्षित व अर्द्धशिक्षित क्षेत्रो के नवयुवको मे कृषि के प्रति अरुचि उत्पन्न हो जाती है जिसके कारण वे रोजगार के लिए शहरो की प्रवास करते है।

प्रश्न -(16) का उत्तर

पनामा नहर व स्वेज नहर में अन्तर निम्नलि है —

अन्तर का आधार	स्वेज नहर	पनामा नहर
(1) अधिकार क्षेत्र	स्वेज नहर मिस्र देश के अधिकार है।	पनामा नहर संयुक्त राज्य अमेरिका के पनामा देश के अधिकार मे है।
(2) लम्बाई, चौड़ाई गहराई	इस नहर की लम्बाई 165 Km तथा चौड़ाई 65 मीटर व गहराई 11 मीटर है।	इस नहर की लम्बाई 80 Km तथा चौड़ाई 90 मीटर है तथा गहराई 12 मीटर है।
(3) जोड़ती है	यह नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है।	यह नहर प्रशान्त महासागर को (अण्टार्कटिका) अंटलाटिक महासागर से जोड़ती है।
(4) व्यय / खर्च	इस नहर को बनाने मे कम व्यय हुआ है क्योंकि यह समतल मैदानी क्षेत्रों मे थी।	इस नहर को बनाने मे अधिक व्यय हुआ है क्योंकि यह पठारीय क्षेत्रो मे थी।

OFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSE (YEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDAR

प्रश्न क्र.

प्रश्न - (17) का उत्तर (अथवा)

भारतीय कृषि का देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव है। भारत एक कृषि प्रधान देश है इसी कारण को कृषकों का देश भी कहा जाता है।

भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(1) जीवकोपार्जन का साधन -

भारतीय कृषि देश की 70% जनसंख्या का जीवकोपार्जन का एक मात्र सहारा है। भारत की जनसंख्या पर कृषि का प्रभाव हम बात से लगा सकते हैं कि भारत में 6 लाख से भी अधिक गाँव हैं।

(2) उद्योग धन्धों का आधार -

हमारे देश में कृषि उद्योग धन्धों का आधार है। कई उद्योग-धन्धे कृषि पर आधारित कच्चे माल का उपयोग करते हैं जैसे

...ARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSEC... EDUCATION,MADHAYPRADSEH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MA...

कपास से कपड़ा उद्योग, जूट से जूट उद्योग बाँस से कागज उद्योग, लकड़ी से फर्नीचर उद्योग आदि।
इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि कृषि उद्योग धन्धो का आधार है।

(3) विदेशी मुद्रा -

भारतीय कृषि को अन्तर्राष्ट्रीय महत्व प्राप्त है वनों से प्राप्त मिट्टी का तेल चन्दन तथा अन्य गौण पदार्थों का निर्यात विदेशों को करने से विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जो देश के विकास में सहायक है।

(4) राष्ट्रीय आय में योगदान -

भारतीय कृषि की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि कृषि से सरकार को आय भी बहुत अधिक मात्रा में प्राप्त होती है।

भारत मे कृषि से कुल राष्ट्रीय आय का 19% भाग प्राप्त होता है।

अतः इस विवेचन से स्पष्ट होता है कि भारत के प्राण कृषि व कृषक

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्र.

में बसते है।

प्रश्न -(18) का उत्तर

संयुक्त राज्य अमेरिका का लोहा इस्पात उत्पादन मे विश्व मे तृतीय स्थान प्राप्त है। संयुक्त राज्य के अप्लेशियन क्षेत्र लोहा इस्पात उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में लोहा इस्पात विकसित होने के प्रमुख कारण निम्नलि है तथा अप्लेशियन क्षेत्र का वर्णन कुछ इस प्रकार है -

(1) अप्लेशियन क्षेत्र -

यह क्षेत्र पश्चिमी पेन्सिलवेनिया से पूर्वी ओहियो तक फैला हुआ है यह पर पिट्सबर्ग व यंगसटाऊन मे इस उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है।

B
S
E

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

पिट्सबर्ग व यंगसटाउन में लोहा इस्पात उद्योग विकसित होने के प्रमुख कारण निम्नलि है —

(1) यहाँ लोहा अयस्क की सुपीरियल झील से होती है।

(2) पेंसिलवेनिया कोयला क्षेत्र से उत्तम श्रेणी के कोयले की पूर्ति होती है।

(3) निकटवर्ती झीलों से परिवहन की सुविधा उपलब्ध है।

(4) औद्योगिक दृष्टि से विकसित बाजारों की निकटता है।

(5) यह पर सस्ती ऊर्जा - पूर्ति के लिए साधन मौजूद है। तथा सघन जनसंख्या के कारण माँग व पूर्ति की सुविधा है।

(6) जलवायु इस क्षेत्र की जलवायु इस उद्योग के लिए अनुकूल है।

OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECO
UCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADH

प्रश्न क्र.

प्रश्न - (20) का उत्तर

जूट एक रेशेदार पौधा है जो कि पौधे के तने से प्राप्त किया जाता है इसका रेशा लम्बा, चमकदार, भूरा मुलायम होता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से सीमेन्ट, चावल, गेहूँ, कपास, मक्का, शक्कर आदि को भरने के लिए बोरियाँ बनाने में उपयोग किया जाता है। इसी कारण इसे "होलसेल व्यापार का भूरा कागज" कहा जाता है।"

जूट एक उष्णकटिबन्धीय आर्द्र मानसूनी वाला पौधा है इसके लिए कुछ विशेष भौगोलिक परिस्थितियों होना आवश्यक है।
जूट के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ निम्नलिखित है —

(1) तापमान —

जूट के पौधे के उगते समय अधिक तापमान की आवश्यकता है तथा पकते समय सामान्य तापमान की आवश्यकता है। इसके लिए सामान्य रूप से 24 से.ग्रे. से 27 से.ग्रे. तक तापमान की आवश्यकता होती है।

प्रश्न (19) का अथवा का उत्तर

282536973

World Map

बिन्दुरेख

1. दिल्ली
2. अलास्का की खाड़ी
3. अमेजन नदी
4. भूमध्य सागर
5. ओरियन्टल एक्सप्रेस रेलमार्ग

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय **2018**

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय: भूगोल | विषय कोड: 1 2 0 | परीक्षा का माध्यम: हिन्दी | परीक्षा का दिनांक:

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: **C- 3245276**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 8 2 5 3 6 9 7 3

शब्दों में: दो आठ दो पाँच तीन छः नौ सात तीन

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा: H.S.S.C

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक.....तक कुल प्राप्तांक 67 + — = 67

(2) वर्षा –

जूट के पौधो के लिए उच्च तापमान के साथ-साथ भारी वर्षा की भी आवश्यकता होती है।
जूट के पौधो को सामान्यतः 175 cm से 200 cm तक की वर्षा आवश्यक होती है। २-४-६ बादल रहित मौसम इसकी खेती के लिए लाभदायक होता है।

(3) जलापूर्ति – जूट के पौधो के रेशे को पानी सड़ाने व धोने के लिए जल की भारी आवश्यकता होती है।

B S E

पृष्ठ के अंकों का यो

(4) मिट्टी –

जूट के पौधे के लिए अत्यन्त उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है गहरी दोमट मिट्टी इसकी फसल के लिए आदर्श होती है (चिकनी मिट्टी) चीकायुक्त मिट्टी भी इसकी खेती के लाभदायक होती है। जूट के पौधो को ऐसी मिट्टी की आवश्यकता होती है जल को अधिक देर तक धारण कर सके।

(5) सस्ते श्रमिक –

जूट की खेती में सस्ते श्रमिको का विशेष महत्व होता है। जूट के पौधे को बोने, निराई, ~~कटाई~~ तथा जूट को धोने व सड़ाने तथा देखभाल करने के लिए सस्ते श्रमिको का विशेष महत्व होता है।

भारत के प्रमुख राज्य जूट उत्पादक राज्य निम्नलिखित है।

① पश्चिम बंगाल – यह समस्त भारत के जूट का 60% उत्पादन करता है।

② असम – इसका भी जूट उत्पादन में अग्रणी स्थान है। इसका जूट उत्पादन में दूसरा स्थान है।

③ बिहार – इसका जूट उत्पादन में तृतीय स्थान है।

End